बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग-1—कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

मंगलवार, तिथि 28 जून, 1983।

विषय-सूची

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर:—	
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या—8 एवं 22	1—7
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या—80, 82, 85 एवं 88	8—20
परिशिष्ट(प्रश्नों के लिखित उत्तर):	21—62
दैनिक निबंध	63

टिप्पणी:—मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है ।

दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई।

710. श्री धर्मेश प्रसाद वर्मा—क्या मंत्री, वन विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दिनांक 17 फरवरी, 1983 को पश्चिम चम्पारण के गवनाहा परसा पंचायत के मुखिया श्री जगरनाथ पाण्डेय ने जंगल से भटक कर आये जंगली भैंसों में से एक को गोला मारकर हत्या कर दी;

(2) क्या यह बात सही है कि जंगली भैंसा मारना एक गंभीर अपराध है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

श्री टी० मुचि राय मुण्डा—(1) उत्तर अल्प संशोधन के साथ स्वीकारात्मक है। यह सही है कि दिनांक 27 फरवरी, 1983 को वन से भटक कर आये तीन वायसनों में से एक वायसन (गौर) को ग्राम गवनाहा में श्री जगरनाथ पाण्डेय मुखिया ने गोली मार कर हत्या कर दी। वायसन भैंसा से एक पृथक प्रजाति का वन्य प्राणी है।

(2) उत्तर स्वीकारात्मक है। जंगली भैंसा एवं वायसन दोनों ही वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के सिडयुल (1) में है इसलिये दोनों में से किसी को भी मारना गंभीर अपराध है।

(3) दोषी व्यक्तियों, जिनमें श्री जगरनाथ पाण्डेय मुखिया भी है के विरुद्ध अभियोग पत्र दिनांक 7 मई, 1983 को दाखिल किया जा चुका है और मुकदमा न्यायालय में लंबित है।

विद्यालय भवन का निर्माण।

711. श्री राम लषण राम 'रमण'—क्या मंत्री, कल्याण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत मधुबनी आवासीय विद्यालय जर्जर भाड़े के मकान में विगत 15 वर्षों से चल रहा है, यदि हां तो सरकार उक्त विद्यालय का अपना भवन कबतक बनाने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

श्री मिश्री सदा—उत्तर स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि आवासीय विद्यालय मधुबनी को अपनी जमीन नहीं है। जमीन मिलने में कठिनाई हो रही है। जमीन मिलने पर ही मकान का निर्माण करना संभव हो सकेगा।